42 वर्षों बाद पार्श्वनाथ मंदिर के खुले कपाट

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से जैन समाज बंधुओं में खुशी की लहर

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
वाशिम, 22 फरवरी - जिले के शिरपुर जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध अंतरिक्ष पार्श्वनाथ मंदिर दिगंबर और श्वेतांबर समुदायों के बीच मंदिर के स्वामित्व को लेकर विवाद के कारण 1981 से बंद है. बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मंदिर का ताला खोलकर मंदिर में पार्श्वनाथ की मूर्ति को लेप करने का आदेश दिया है. बुधवार को इस अवसर पर जैनियों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी जाहिर की है.

विश्वविख्यात पार्श्वनाथ की मूर्ति को लगाया जाएगा लेप

शिरपुर जैन में विश्व प्रसिद्ध प्राचीन अंतरिक्ष पार्श्वनाथ मंदिर है. इस मंदिर को लेकर दिगंबर जैन और श्वेतांबर जैन पंथों के बीच करीब 100 वर्ष से विवाद चला आ रहा है. इस विवाद के चलते 22 अप्रैल 1981 को मंदिर पर ताला लगा दिया गया. तब से आम भक्तों को एक छोटी सी खिड़की से अंतरिक्ष पार्श्वनाथ के दर्शन करने पड़ते हैं. इस न्यायप्रविष्ठ मामले में निचली कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले के खिलाफ एक समूह ने ऊपरी अदालत में अपील की थी. जैसे-तैसे मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा. कई वर्षों तक कोई नतीजा नहीं आया. हालांकि, बुधवार, 22 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट द्वारा कपाट खोलने तथा अंतरिक्ष पार्श्वनाथ की मूर्ति को लेप करने के आदेश मिले. जिसकी खबर शिरपुर (जैन) में पहुंचने के बाद वहां के जैनियों ने मिठाई बांटकर हर्ष व्यक्त किया है. दिगंबर संस्थान की ओर से अंतरिक्ष पार्श्वनाथ मंदिर के कपाट खोले जाने के चलते श्रद्धालुओं से दर्शन के लिए आने की अपील की गई है. दोनों संप्रदाय और संत चाहते थे कि यह मंदिर भक्तों के लिए खुला रहे. बस सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार किया जा रहा था.

मंदिर कपाट खोलकर मूरत को लेप किए जाने की खबर पर जैन धर्मीयों समेत समस्त गांववासियों ने खुशी जाहिर की है. सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अंतरिक्ष पार्श्वनाथ मंदिर के कपाट खोलकर, मूर्ति पर लेप लगाने का आदेश दिया गया है, ऐसा वकील की ओर से बताया गया है. शिरपुर जैन के परमहंस महाराज ने कहा कि भगवान का मंदिर दर्शन के लिए खुला रहे, यही हमारी मांग थी. मंदिर के कपाट खुलने से जैन श्रद्धालु खुशी का इजहार कर रहे हैं.

मंदिर क्यों बंद है?

42 साल पहले यानी 22 अप्रैल 1981 को दिगंबर जैन और श्वेतांबर जैन दोनों पंथों में विवाद के कारण मंदिर को भक्तों के दर्शन हेतु पूर्णतः बंद कर दिया गया था. उसके बाद से आज तक पुलिस की मौजूदगी में रोज सुबह-शाम मंदिर का पट खोला जाता और दो पुजारी अंदर जाकर दूर से ही पूजा-अर्चना करते. आरती के बाद मंदिर पर दोबारा ताला लगाकर सील कर दिया जाता. देशभर से आने वाले भक्तों को मंदिर से सटी एक खिड़की से दर्शन करने पड़ते थे. तत्कालीन राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी ने भी 5 फरवरी 2022 को यहां आकर दर्शन किए थे.

जो लोग बड़े है, वो बड़े रहते है...

कई बार पूर्वाग्रह से ग्रसित हमारी सोच अपने ही नजरिये से सामने वाले किसी भी व्यक्तित्व के बारे में अपनी राय कायम कर लेती है...विशेष कर जब कोई व्यक्ति इस दिखावे की दुनिया में एकदम सादगी से परिपूर्ण हो तो हमारा तोलमोल वाला नजरिया कुछ अलग हो जाता है, लेकिन शख्शियत बयाँ कर ही देती है इंसान की असलियत को.

रोजमर्रा की जिंदगी में हमें कुछ न कुछ हमेशा सीखने मिलता रहता है..कुछ प्रेरणादायक हो तो वो ज्यादा असरकारक हो जाता है..ऐसे ही एक व्यक्तित्व वर्धा के सांसद रामदास तड़स से. वर्धा जिले के 'खासदार क्रीड़ा महोत्सव' के अवसर पर सांसद नवनीत राणा के साथ मिलने का अवसर प्राप्त हुआ. एक जैसे पदों पर कार्य करने वाले दो व्यक्तित्व, जो 20 से 25 लाख लोगों का नेतृत्व करते हो उनकी सादगी देखकर मन को प्रसन्नता हुई और कलयुगी सज्जनता के प्रति विचारों को गति मिली. क्योंकि कई वर्षों के सामाजिक गतिविधियों में कितने ही बड़े-छोटे लोगों से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ... अनेकों लोगों को सुनने,देखने का मौका मिला..कुछ का व्यवहार मन से उतरते गया तो कुछ लोगों ने एक आदरयुक्त स्थान पाया. जिस अपनेपन से रामदास तड़स ने अपने जिले में अपनी सहयोगी सांसद नवनीत राणा का 'वेलकम' किया, वह उनकी स्वभावगत विशेषता से परिपूर्ण था. ऐसे लगा जैसे कोई बड़ा भाई अपनी छोटी बहन के प्रति स्नेह जता रहा हो..और फिर हमारी नवनीत का व्यवहार भी बेमिसाल है...'दादा हम साथ चलते है' कहकर उनके लिए तुरन्त अपनी सामने वाली सीट से पीछे की सीट पर मेरे साथ बैठ गई...दो सांसदों के साथ बैठने का अवसर मेरे जैसे छोटे से कार्यकर्ता के लिए अविस्मरणीय था.

मैंने जब उन्हें याद दिलाई की आपने मुझे वर्धा में 'राष्ट्रीय शास्त्री गौरव पुरुस्कार' से सन्मानित किया था तो उन्होंने तुरंत याद करते हुए हामी भरी और सभी से जिक्र किया...महिलाओं की कुश्ती में विशेष सम्मान के साथ उन्होंने अपने संभाषण में महिलाओं की तरक्की के लिए घर के पुरुषों के द्वारा उत्साहवर्धन की बात की और एक पहलवान होने के नाते अपनी ही बेटी को कुश्ती स्पर्धा में उतारा. स्वयं चार बार 'विदर्भ केसरी' रहते हुए अनेकों लड़के-लड़कियों को कुश्ती जैसे बल बुद्धि से परिपूर्ण खेल में पारंगत करने में मदद की है और कुश्ती के प्रति प्रेम उनकी हरकतों में दिखाई दे रहा था जब वे मैदान की हर छोटी बड़ी गतिविधियों के बारे में खुद सूचनाएं दे रहे थे. मंच पर एक कार्यकर्ता के साथ वे स्वयंम टी टेबल उठाकर व्यवस्थित करने लगे उस वक्त हम सभी ने उनकी विशाल सोच का अनुभव किया..तभी उनके चुनाव के लिए एक नहीं दो बार स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव में प्रचार सभा ली, ऐसा कहकर नवनीत ने उनके प्रति सन्मान व्यक्त किया.

कहते है कि बड़ा बनने के लिए किस्मत के साथ कर्मप्रधानता भी चाहिए तो इस मामले में दोनों भी अव्वल रहे है..जनता से सीधे संपर्क ने उन्हें लोकप्रिय बना दिया है...सामान्य लोगों को उनके द्वारा दिया जाने वाला यथोचित मान सन्मान लोगों के लिए एक सुखद अनुभव होता है...यह उन लोगों को आत्मपरिक्षण के अवसर देता है, जो पद पाकर लोगों को पहचानने से भी इंकार कर देते है...और उन लोगों को प्रेरणा देता है, जो सामान्य लोगों से भी जुड़कर,मिलजुलकर रहना चाहते है.

खामोशी से सबकी बात सुनते हुए अपने काम करते रहने वाले, किसी को भी छोटा न महसूस होने देने, भ्राता तुल्य व्यवहार कर सन्मान बढ़ाने वाले वर्धा जिले के सांसद रामदास तड़स को देखकर यही बात याद आ गई... कि ...

'ये और बात है कि खामोश
खड़े रहते है,
जो लोग बड़े है जो बड़े रहते है.'

सौ.सुधा वीरेंद्र तिवारी,
अमरावती.

एनीडेस्क डाउनलोड करते ही ढाई लाख उड़ाए

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 फरवरी- एक जमाना था जब चोरों को रातभर जागकर चोरी के लिए बड़े पसीने बहाने पड़ते थे, लेकिन अब डिजीटल युग में अत्याधुनिक चोर मिनटों में बैठे-बैठे लखपति हो रहे है. ऑनलाइन फ्रॉड के लिए नीत-नई तरकीब लड़ाई जा रही है. इसी क्रम में स्वीगी ऐप से भोजन का ऑर्डर देना एक बुजुर्ग को इतना महंगा पड़ा कि उनके बैंक अकाउंट से अज्ञात 2 मोबाइल धारकों ने 2 लाख 50 हजार 344 रुपए उड़ा लिए.

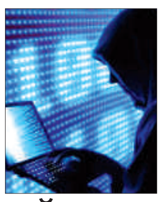

ऑनलाइन फ्रॉड की नई तरकीब

स्वीगी से भोजन आर्डर करना महंगा पड़ा

इस संदर्भ में फिर्यादी पद्माकर पांडुरंग पटवर्धन (67, श्रद्धा कालोनी, साई नगर) ने साइबर पुलिस को बताया कि उन्होंने मोबाइल के स्वीगी ऐप से भोजन का आर्डर दिया, लेकिन आर्डर के अनुसार भोजन नहीं मिलने के कारण इस बुजुर्ग ने स्वीगी के कस्टमर केयर पर संपर्क कर शिकायत की. इस शिकायत के बाद पद्माकर पटवर्धन के मोबाइल पर फोन करने वाले ने बताया कि वह स्वीगी कस्टमर केयर से बोल रहा है. इस मोबाइल धारक ने बुजुर्ग पद्माकर पटवर्धन से एनी डेस्क नाम का ऐप डाउनलोड करने को कहा. इसके बाद पेटीएम ऐप ओपन करने को कहा. बुजुर्ग ने यह प्रक्रिया की. जिसके तुरंत बाद उनके पंजाब नेशनल बैंक अकाउंट से 2 लाख 50 हजार 344 रुपए ऑनलाइन ट्रान्सफर हो गए. इस तरह स्वीगी से भोजन शेष पृष्ठ 2 पर

विवि कर्मियों की हड़ताल 11 तक स्थगित

डीसीएम की सफल मध्यस्थी

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 फरवरी- उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की बैठक में हुए निर्णय का शासनादेश 10 मार्च तक जारी नहीं हुआ तो 11 मार्च से दुबारा हड़ताल शुरू होगी. ऐसी चेतावनी देते हुए विश्वविद्यालय व महाविद्यालयीन कर्मियों ने मुद्दे रिकॉर्ड पर लेने के लिए संबंधित विभाग ने नया लिखित पत्र संगठन को सौंपा है. इस दौरान हड़ताल पीछे लेने से दो दिवसों से संपूर्ण राज्य में ठप पड़े विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों के काम पूर्ववत हो गए है. परीक्षाओं में संभावित बाधा टल गई है.

अन्यथा 11 से फिर हड़ताल

हड़ताल के मुद्दे पर 20 फरवरी को पहले दिन डीसीएम फडणवीस ने के साथ कर्मचारी संगठन की संयुक्त कृति समिति ने चर्चा की थी. इस समय कर्मियों की मांगों पर सहमति दिखाते हुए तत्वतः मंजूर करने का आश्वासन उपमुख्यमंत्री ने दिया था, लेकिन मान्य की गई मांगों का प्रत्यक्ष रिकॉर्ड पर प्रतिबिंब नहीं पड़ा था. जिससे विवि कर्मियों ने उनकी हड़ताल शुरू रखी थी. सचिव स्तर पर मिनिट्स में इसे शामिल करना मान्य किया गया. जिससे संगठन ने 10 मार्च तक आदेश जारी नहीं करने पर दुबारा हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी है.

बेमियादी हड़ताल से ठप था काम

विश्वविद्यालय व महाविद्यालयीन शिक्षकेत्तर कर्मियों के पीछे चार वर्षों से प्रलंबित मांगों को लेकर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहल की. उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने भी उन्हें सहयोग दिया. जिससे दो दिनों से शुरू विवि कर्मियों ने बेमियादी हड़ताल स्थगित कर दी है. कृति समिति के पदाधिकारियों ने शासन को इसकी सूचना दी है. इसी समय प्रशासकीय कार्रवाई में लगने वाली अवधि और विद्यार्थी हितों का विचार कर 10 मार्च तक आदेश जारी करें. अन्यथा दूसरे दिन 11 मार्च से दुबारा आंदोलन शुरू किया जाएगा. ऐसा कृति समिति के पत्र में स्पष्ट कर दिए गए है. संयुक्त कृति समिति के संगठक व महाराष्ट्र विद्यापीठ कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष अजय देशमुख, अमरावती विद्यापीठ शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के महासचिव नरेंद्र घाटोल, पिछड़ावर्गीय कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष डॉ.नितिन कोली व सचिव श्रीकांत तायड़े, ऑफिसर्स फोरम के अध्यक्ष शशिकांत रोडे, सचिव डॉ. विलास नांदुरकर के नेतृत्व में संत गाडगेबाबा अमरावती विद्यापीठ समेत राज्य के सभी विवि कर्मचारी व अधिकारी इस आंदोलन में सहभागी हुए थे.

यह है प्रमुख मांगें

सेवातंर्गत संशोधित आश्वासित प्रगति योजना का रद्द किया गया जीआर पुनर्जीवित कर पुरानी पेंशन योजना लागू करें, 7वें वेतन आयोग के प्रावधान के अनुसार 10-20 और 30 वर्षों के बाद लाभ की योजना विद्यापीठ के साथ ही महाविद्यालयीन शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को लागू करें. अंतर का बकाया अदा करें. विद्यापीठ व महाविद्यालयीन शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के रिक्त पद भरने की मान्यता दी जाए.

बलात्कार की झूठी शिकायत पड़ी महंगी

महिला को 2 माह की कैद

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 फरवरी- दुष्कर्म की झूठी शिकायत दर्ज कराने के बाद कोर्ट में अपना जवाब पलट दिया. चूंकि अभियुक्त ने स्टैंड लिया कि उसने बलात्कार नहीं किया, वह बच गया और अदालत ने शिकायतकर्ता महिला को दो माह कैद की सजा सुनाई दी. ई-फाइलिंग के जरिए दाखिल किया गया यह इस तरह का पहला मामला है.

बुलढाणा जिले के चिखली तहसील की 27 वर्षीय महिला ने घर पर अकेले रहते समय पति के दोस्तों द्वारा दुष्कर्म किए जाने की शिकायत अमदापुर थाने में दर्ज कराई थी. पुलिस ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए आरोपी पर धारा 376 दर्ज कर कार्रवाई शुरू की. न्यायिक सुनवाई के लिए जब यह मामला दंडाधिकारी के समक्ष आया, तब महिला ने अपनी कंपलेंट के विपरित आरोपी ने उसके साथ कुछ नहीं करने का बयान दिया. दर्ज शिकायत और कोर्ट में दिए गए बयान में असमानता और सबूतों के अभाव में कोर्ट ने आरोपी को बरी कर दिया. जबकि फैसला सुनाते हुए अदालत में झूठी शिकायत दर्ज कराने के लिए शिकायतकर्ता महिला के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 344 के तहत 2 माह के कारावास की सजा सुनाई है. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर.एन मेहेरे ने खुद ई-फाइल के जरिए मामला दर्ज कराया था.

रंगारंग रहा राष्ट्रीय अल्पसंख्यांक महिला महा. का वार्षिकोत्सव

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 फरवरी- विदर्भ का एकमेव अल्पसंख्यांक लड़कियों का कॉलेज है, जिसमें गरीब, सलम एरिया में पिछले आठ सालों से उच्च शिक्षा के तीनों प्रारूप में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान शाखा में उच्च शिक्षा का एकमेव स्त्रोत है.

वार्षिकोत्सव का उद्घाटन राष्ट्रीय अल्पसंख्यांक महिला महाविद्यालय के संचालक हाजी मेराज खान पठान के हाथों बुधवार, 22 फरवरी को संपन्न हुआ. मुख्य अतिथि के रूप में छत्रपति शिवाजी महाराज मुस्लिम ब्रिगेड के अध्यक्ष याह्या खान पठान, विदर्भ मिल के सम्पादक डॉ. बशीर पटेल, प्राचार्य डॉ. सलीम खान सर उपस्थित थे. छात्राओं को मार्गदर्शन करते हुए मेराज पठान ने भागती और दौड़ती हुई दुनिया में हमे दौड़ने की आदत डाल देनी पड़ेगी. एक बार आप दौड़ गए समझो आप जीत गए. अपने आप में सुधार, निखार और पगार के साथ अपने माता-पिता के सपने साकार करने की जिम्मेदारी को समझ कर आगे पढ़ाई पूरी करके सपनों को हकीकत में बदलना होगा. शिक्षा इंसान को तराशने का नाम है, जो तराशा गया वह सफल है. अपने गोल का निर्धारण जरूरी है.क्षेत्र निश्चित करो और फिर दौड़ना शुरू कर जब तक हम उसे हासिल नहीं करते तब तक दौड़ जारी रखो फिर देखना दुनिया सलाम करेगी. छात्राओं ने ड्रामा, मुशायरा, कव्वाली, फैशन शो, क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया. प्रविण्य हासिल करने वाली सभी छात्राओं को जरीन खान मैडम, सिद्दिका मैडम, जुबेर कुरेशी सर, जुबेर अहमद सर के मार्गदर्शन में सभी ने शानदार प्रदर्शन किया. विजय प्राप्त करने वाली छात्राओं को कॉलेज के पदवी वितरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा.

आज गुरुवार को म्यूजिक, लघोरी, बलून बैलेंस, और दीगर प्रतियोगिताएं आयोजित की गई है. सभी छात्राओं के दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई थी. कार्यक्रम समाप्ति पर जुबेर कुरेशी सर ने मेहमानों, छात्राओं और प्राध्यापक गण का आभार व्यक्त किया और सफलता का श्रेय प्राचार्य सलीम खान के साथ सभी विद्यार्थियों को दिया.

प्रभुदास निंघोट का निधन

अमरावती, 22 फरवरी- भारत नगर नं.1 साईनगर निवासी प्रभुदास विश्वनाथ निंघोट (67) का निधन हो गया.

शोभा राजगुरे-अनुराधा कालोनी साईनगर निवासी शोभा ज्ञानेश्वर राजगुरे (82) का देहावसान हो गया.

अचलपुर कृषि मंडी सभागृह में प्रबोधन सभा आज

उज्वल अग्रवाल/प्रतिदिन अखबार
परतवाड़ा, 22 फरवरी- छत्रपति शिवाजी महाराज, संत रविदास महाराज, संत सेवालाल व संत गाड़गेबाबा इनकी जयंती पर गुरुवार दि. 23 फरवरी को शाम 7 बजे कृषि मंडी सभागृह में प्रबोधन सभा का आयोजन किया गया है. सभा में छत्रपति संभाजी महाराज धर्मरक्षक की स्वराज्य रक्षक संदर्भ में व 'छत्रपति शिवाजी महाराज कोण होते?' इस विषय पर यह प्रबोधन सभा आयोजित की गई है. इस सभा में अध्यक्ष प्रा.कल्याण डोंगरे, उद्घाटिका ॲड. प्रिति राऊत, प्रमुख अतिथि प्रमोद डेरे, दिनेश ठाकरे, मंगेश मालठाणे, वैशाली चोरे, प्रिती देऊलकर, सुरेश घटाले, मनीराम कास्देकर, मोहन ठाकरे, सुधीर गुल्हाने, ॲड. डी.यु. खांडेकर उपस्थित रहेंगे.

राष्ट्रीय अल्पसंख्यांक महिला महा. का पदवी वितरण समारोह आज

विधायक खोड़के, सीपी रेड्डी, वसीमा शेख की उपस्थिति

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 22 फरवरी- राष्ट्रीय अल्पसंख्यांक महिला महाविद्यालय का 7 वां पदवी वितरण समारोह आज गुरुवार, 23 फरवरी की शाम 4 बजे, सितारा पैलेस, नवसारी रिंग रोड में होने जा रहा है. जिसका विधिवत उद्घाटन विधायक सौ. सुलभा खोड़के के हाथों होगा.

समारोह की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त नवीनचंद्र रेड्डी करेंगे. महाविद्यालय के संचालक के हाजी मेराज खान पठान महाविद्यालय की ओर से प्रस्तावना रखेंगे. प्रमुख अतिथि क्षेत्र की आईएएस अधिकारी वसीमा शेख छात्राओं को मार्गदर्शन करेंगी. सकीना एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. मेहदी हुसैन और महाविद्यालय के प्राचार्य सलीम खान की प्रमुख उपस्थिति रहेगी. इस महाविद्यालय से अब तक 1150 विद्यार्थियों ने कला, वाणिज्य एवं विज्ञान शाखा में पदवी प्राप्त कर चुकी हैं.

सुलभा खोड़के

नवीनचंद्र रेड्डी

मेराज खान

विदर्भ का एकमेव अल्पसंख्यांक छात्राओं का कॉलेज है, जो मुस्लिम समाज की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है. इस वर्ष भी 120 छात्राओं को कला, वाणिज्य एवं विज्ञान की पदवी मान्यवरों द्वारा वितरित की जाएंगी. तीनों प्रारूप की छात्राओं के साथ-साथ उनके माता-पिता भी इस भव्य आयोजन के साक्षी बनेंगे.महविद्यालय के प्राध्यापक वर्ग, कर्मचारी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद करेंगे.